L.N. MITHILA UNIVERSITY
DARBHANGA (BIHAR)
B.A PART- III
B.A PAPER- VII
PSYCHOLOGY (HONOURS)
SOCIAL PSYCHOLOGY
TOPIC- Types or styles of leader

Dr. Pramod Kumar Sahu,
Assistant Professor,
Guest Teacher,
V.S.J. College Rajnagar,
MADHUBANI (BIHAR)
pramodkumarsahu2018@gmail.com

समाजशास्त्रियों एवं समाज मनोवैज्ञानिक द्वारा नेता के कई प्रकारों (types or styles) का वर्णन किया है। इन सभी प्रकारों का विस्तृत व्याख्या तो यहाँ सम्भव नहीं है। परंतु कुछ प्रमुख वैज्ञानिकों द्वारा बतलाये गये नेता के प्रकारों का वर्णन निम्नांकित है।

(क) बोगार्डस का वर्गीकरण - बोगार्डस (Bogardus, 1940) ने नेतृत्व के निम्नांकित पाँच प्रकार बतलाया है।

① प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष नेतृत्व - प्रत्यक्ष नेतृत्व में नेता का सम्बन्ध अनुयायियों के साथ सीधा होता है। वह अपने समूह के सदस्यों के साथ सीधे बातचीत करता है। उनकी समस्याओं के बारे में सुनता है। तथा उनके समाधान के बारे में अपनी सुझाव पेश करते है। इस तरह से प्रत्यक्ष नेतृत्व में समूह के सदस्य नेता को देख सकते है। सुन सकते है तथा उनसे बातचीत कर सकते है। अप्रत्यक्ष नेतृत्व में नेता का सम्बन्ध अनुयायियों के साथ अप्रत्यक्ष होता है। ऐसे नेता अप्रत्यक्ष रूप में अपने अनुयायियों के विचारों को प्रभावित करते है। तथा उनपर नियंत्रण रखते है। जैसे- कोई वैज्ञानिक, लेखक, धार्मिक इत्यादि, अप्रत्यक्ष रूप से ही अपने अपने क्षेत्र के अनुयायियों पर नियंत्रण रखते है।

② सहभागी एवं वैज्ञानिक नेतृत्व - सहभागी नेतृत्व में नेता अपने समूह के पक्ष में कार्य करता है। विरोधी समूहों के सामने ऐसा नेता अपने समूह के सिर्फ अच्छाइयों एवं प्रशंसाजनक पहलुओं की ही चर्चा करता है। और बुरे एवं निन्दनीय पहलुओं को छिपा लेता है। इस तरह से नेता का प्रयत्न यही रहता है। कि उसका समूह अन्य समूहों की तुलना में सबसे अच्छा समझा

जैसे, आजकल के राजनीतिक नेता प्रायः सपभाषी नेता होते हैं। क्योंकि वे आम जनता के सामने पार्टी के लिए अच्छे गुणों की ही प्रशस्ति हैं।
वैज्ञानिक नेतृत्व में नेता सत्य एवं वास्तविकता पर अधिक बल देता है। इस तरह का नेता अपने समूह की अच्छाई एवं बुराई दोनों पक्षों की चर्चा करता है। सत्य की खोज में अच्छे तथ्य एवं बुरे तथ्य दोनों को वह प्रकाश में लाता है। इस प्रकार का नेता तो नेतृत्व विज्ञान के क्षेत्र में अधिक देखे जाते हैं। बड़े बड़े वैज्ञानिक अपने क्षेत्र की खोज में जुटे रहते हैं। इस खोज में वे अच्छे एवं बुरे दोनों तरह के पक्षों को जनता के सामने रखते हैं। इस तरह से हम देखते हैं कि वैज्ञानिक नेतृत्व सपभाषी नेतृत्व के ठीक विपरीत होता है।

(3) सामाजिक, कार्यकारिणी एवं मानसिक नेतृत्व - सामाजिक नेतृत्व में नेता अपने समूह के लिए सामाजिक एवं सार्वजनिक कार्य करता है। इस तरह के नेतृत्व में अनुयायियों के बीच नेता का एकमात्र सम्बन्ध पाया जाता है। तभी इस प्रकार की सामाजिक समस्याओं का निराकरण एक स्वस्थ वातावरण में होता है। संक्षेप में इस क्षेत्र के नेता में समाज-सेवी गुणों की प्रधानता होती है। मानसिक नेतृत्व में नेता अपने कार्य को करने के लिए एक रसात्मक और शांतिपूर्ण वातावरण की मांग करता है। इस तरह के नेता अपने विचारों राय रुचियों से दिमाग पर इस ढंग का प्रभाव डालता है कि वे लोग उनके कहे अनुसार व्यवहार करने के लिए उत्प्रेरित हो जाते हैं। कार्यकारिणी नेतृत्व में नेता में सामाजिक एवं मानसिक दोनों तरह के गुणों का समावेश पाया जाता है। ऐसा नेता में एक अच्छे समाज-सेवी की तो गुण होता ही साथ-ही साथ उनमें अपने विचारों को प्रस्तुत करने की क्षमता होती है। ऐसे नेता में शासन एवं प्रबन्धन सम्बन्धी गुणों की भी अधिकता होती है।

(4) समाजवादी, करिश्माई, पैतृक एवं प्रजातान्त्रिक नेतृत्व - सत्ताधारी नेतृत्व में नेता अपने समूह की सर्वेसर्वा (All in All) होता है। ऐसे नेता को निरपेक्ष अधिकार अधिक होता है।

III

वह समूह के सभी नीतियों एवं योजनाओं को स्वयं बनाता है। उसे लागू करता है। वह अपनी इच्छा से किसी को दंड देता है। तो किसी को पुरस्कार देता है। इसके लिए वह किसी के सामने न तो उत्तरदायी होता है। और न ही इसके लिए उससे कोई औचित्य ही पूछा जा सकता है। ऐसे नेता को अपने सदस्यों की अधिकार एवं प्रभाव की चिंता कम होती है। करिश्माई नेता का नेतृत्व कुछ व्यक्तियों या नेता को अपने सदस्यों की अधिकार एवं प्रभाव की चिंता कम होती है। चमत्कारी कार्य पर निर्भर करता है। ऐसे व्यक्तियों का नेतृत्व स्वयमेव स्वीकार कर लिया जाता है। क्योंकि इनमें कुछ अलौकिक एवं असाधारण गुण पाये जाते हैं। ऐसे नेताओं में कठिन साधना, तपस्या एवं ऐसे ही अन्य गुणों के कारण कुछ चमत्कार दिखलाने की वास्तविक एवं काल्पनिक शक्ति होती है। जादूगर, धार्मिक नेता, पीर, पैगम्बर, संत आदि इसी श्रेणी के नेता होते हैं। ऐसे नेता का नेतृत्व तब तक चलता है। जब तक कि उसमें चमत्कार करने की शक्ति मौजूद होती है।

पैतृक नेतृत्व में नेता अपने अनुयायियों के लिए पिता समतुल्य होता है। अनुयायियों के मन में इस तरह के नेता के प्रति अत्यधिक श्रद्धा एवं आदर का भाव होता है। ऐसे नेता भी एक पिता के समान अपने अनुयायियों के उचित-अनुचित का ख्याल करता है।

प्रजातांत्रिक नेतृत्व सत्ताधारी नेता के ठीक विपरीत होता है। इस तरह के नेता समूह के सभी सदस्यों के साथ विचार-विमर्श कर ही किसी नीति एवं योजना का निर्माण करता है। इस तरह के नेता एवं सदस्यों के बीच सीधा सम्बन्ध होता है। ऐसे नेता सदस्यों की सुख-सुविधाओं एवं भावनाओं का ख्याल रखा करता है है। तथा अपने विचारों और इच्छाओं को उस पर जबरदस्ती नहीं थोपता है। इस तरह के नेतृत्व में अधिकार का विकेन्द्रीकरण देखा जाता है।

(iv) पैगम्बर, संत, विभिन्न एवं धार्मिक- पैगम्बर एक नेता होता है। जो भगवान या किसी अन्य तरह के अलौकिक शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है।

Scanned with CamScanner

अपने क्रियाओं एवं व्यवहारों द्वारा लोगों के मन में यह आस्था उत्पन्न कर देता है कि भगवान की सारी शक्ति उसमें आ गयी है। ऐसी शक्ति देखकर उसके अनुयायी उससे काफी प्रभावित हो जाते है। और उसे भगवान के समान पूजने लगते है। तथा उसके बातों को ब्रह्म वाक्य मानने लगते है। संत लोग ईश्वर भक्ति एवं अपने पवित्र आचरण द्वारा लोगों पर आधिपत्य जमाते है, उनमें कुछ ऐसी विशेषताऐं होती है। जिसे अलौकिक ही कहा जा सकता है इन विशेषताओं से आम व्यक्ति काफी प्रभावित हो जाते है। विशेषज्ञ वैसे व्यक्ति को कहा जाता है जो एक खास क्षेत्र में किसी विषय के बारे में विशेष ज्ञान रखता हो ऐसे व्यक्ति किसी विशेष कार्य क्षेत्र में निपुण होते है। अपनी इसी विशिष्टता के कारण वे लोगों के प्रिय बन जाते है और लोगों पर उनका विशेष आधिकार बना रहता है। इस तरह के विशेषज्ञ में उच्चकोटि की विशेषज्ञता होता है। मालिक (Boss) एक ऐसे नेता होते है जो अपनी चतुराई के कारण दूसरे व्यक्तियों को अपनी ओर खींच लेते है। ऐसे नेताओं में वाकपटुता तथा नकली सामाजिकता की प्रवृत्ति अधिक होता है। अक्सर ये मालिक, दलालों के ही पदाधिकारी एवं श्रेणी के नेता होते है।

Dr. Pramod Kumar Sahu,
Date - 08/09/2020
Sub - Psychology

Scanned with CamScanner